रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

शिक्षा का सच्चा लक्ष्य हासिल करने में कारगर है नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति–कुलपति प्रो. मिश्र

नैक आईक्यूएसी द्वारा दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

जबलपुर 11 अगस्त । बदलते परिवेश एवं बदलती परिस्थितियों में स्थानीय एवं अंतर राष्ट्रीय स्तर की जरूरतों के अनुरूप पाठ्यक्रम में संशोधन अति आवश्यक है। उसी दिशा में सार्थक कदम के लिए इस कार्यशाला का आयोजन किया गया। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को सही तरीके से लागू करने से शिक्षा का सच्चा लक्ष्य हासिल होगा। इस कार्यशाला के माध्यम से जो पाठ्यक्रम तैयार होगा उससे विद्यार्थियों को रोजगारपरक शिक्षा मुहैया करवाने में मदद मिलेगी। यह जानकारी माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने बुधवार को रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के यूजीसी मानव संसाधन केंद्र में आयोजित कार्यशाला समापन कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किये।

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में स्नातक व स्नातकोत्तर स्तर पर पढ़ाये जाने वाले विषयों को लर्निंग आउटकम बेस्ड करिकुलम फ्रेमवर्क (एलओसीएफ) को ध्यान में रखते हुए पाठ्यक्रम में सुधार एवं संशोधन को लेकर दो दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला की अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने की जिसमे विश्वविद्यालय के संकायाध्यक्षों, विभागाध्यक्षों, अतिथि विद्वानों व विवि से संबंधित कालेजों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। कार्यशाला संयोजक विवि नैक समन्वयक डॉ. राजेश्वरी राणा ने बताया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने रादुविवि सहित देशभर के शिक्षा संस्थानों को अपना पाठ्यक्रम अपडेट करने के निर्देश दिए हैं। मुख्य बात यह कि, यह पाठ्यक्रम "लर्निंग आउटकम" पर आधारित होगा। जिसके तहत शिक्षकों को विद्यार्थियों को सरल और सुगम लगे ऐसे तरीकों से अध्यापन करना होगा। इसी अनुसार पारंपरिक पाठ्यक्रमों को नए सांचे में ढाला जा रहा है। यूजीसी ने बाकायदा विविध पाठ्यक्रमों में सुझाए गए बदलाव की विस्तृत जानकारी अपने वेबसाइट पर अपलोड कर रखी है। विश्वविद्यालयों को इसे मार्गदर्शक मानकर अपने यहां जरूरी बदलाव करने को कहा गया है।

नए मानकों पर किया जा रहा फोकस–

कार्यशाला में संकायाध्यक्ष प्रो. रामशंकर ने बताया कि बीते कुछ वर्षों से कौशल आधारित और स्वरोजगार एवं रोजगार को बढ़ावा देने वाले पाठ्यक्रमों पर जोर दिया जा रहा है। इसके लिए पाठ्यक्रमों की संरचना में कई बदलाव किए जा रहे हैं। हाल ही में लागू हुई नई शिक्षा नीति में भी पाठ्यक्रम में नवाचारों और प्रयोगों का बढ़–चढ़कर स्थान दिया गया है। इसी कड़ी में यूजीसी ने विश्वविद्यालयों को पाठ्यक्रम में जरूरी बदलाव के आदेश दिए हैं। कार्यशाला में विशिष्ट वक्ता के रूप में विषय विशेषज्ञ प्रो. आलोक चंसोरिया ने अंग्रेजी विषय का उदाहरण देते हुए अंग्रेजी भाषा व अंग्रेजी साहित्य व इनके तकनीकी की सहायता से पाठ्य–पठन पर जोर दिया। उन्होने सरल तरीके से सभी विषयों में पाठ्यक्रमों में नवीनतम संशोधन इत्यादि की जानकारी दी। संचालन एवं आभार प्रदर्शन डॉ. राजेश्वरी राणा ने किया। इस अवसर पर संकायाध्यक्ष प्रो. धीरेन्द्र पाठक, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. विवेक मिश्र, सहायक कुलसचिव सुश्री मोनाली सूर्यवंशी सहित अन्य प्राध्यापक, अतिथि विद्वान एवं कॉलेजों से आए प्रतिनिधि मौजूद रहे।

विश्वविद्यालय प्रबंधन संस्थान और आईएमएम श्रीलंका के बीच हुआ एमओयू

जबलपुर 11 अगस्त । रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय प्रबंध संस्थान (यूआईएम) ने श्रीलंका के इंस्टीट्यूट ऑफ मेथामेटिक्स एंड मैनेजमेंट प्रा. लिमि. (आईएमएम) के साथ गत दिनों एक एमओयू करार किया। दोनों संस्थानों के वरिष्ठजनों ने ऑनलाइन माध्यम से एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस मौके पर यूआईएम के निदेशक प्रो. शैलेष चौबे, डॉ. आशीष शर्मा और आईएमएम के यू. कोनारासिंगे व डॉ. श्रीमती वी.जी.सामंथी के. मौजूद थे।

उपरोक्त जानकारी देते हुए यूआईएम निदेश प्रो. शैलेष चौबे ने बताया कि इस करार से संयुक्त रूप से विजन को मजबूत करने का प्रयास किया जायेगा जिससे शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को लाभ अकादमिक लाभ मिलेगा। प्रबंधन में डिग्री प्रदान करने वाले कार्यक्रमों की पेशकश करना, संयुक्त अनुसंधान की गतिविधियों को बढ़ावा देना और संकाय विशेषज्ञों को संयुक्त परामर्श अनुसंधान परियोजनाओं में भी भाग लेने का अवसर प्रदान करना असका उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि सहयोग का उद्देश्य अकादमिक शिक्षकों और विद्यार्थियों के आदान–प्रदान को बढ़ावा देना और प्रोत्साहित करना भी है। इससे संयुक्त कार्यक्रमों की पेशकश करना और उन्हें प्रबंधन सिद्धांतों को सीखने में मदद करना भी है।